

अनुक्रमणिका

	नंबर
प्रमाणपत्र	प्रथम
अनुशंसा	द्वितीय
प्रख्यापन	तृतीय
प्राक्कथन	चतुर्थ
अनुक्रमणिका	एकादश
प्रथम अध्याय:- "हिंदी उपन्यासों में राजनीति का चित्रण"	01 - 63
(रीछ, कटरा-बी-आर्जु., महाभोज, मुखडा क्या देखे के संदर्भ में)	
द्वितीय अध्याय:- "आलोच्य उपन्यासों की कथावस्तु"	64 -131
(रीछ, कटरा-बी-आर्जु., महाभोज, मुखडा क्या देखे के संदर्भ में)	
तृतीय अध्याय:- "उपन्यासों में चित्रित राजनीति का चित्रण"	132-182
(रीछ, कटरा-बी-आर्जु., महाभोज, मुखडा क्या देखे के संदर्भ में)	
चतुर्थ अध्याय:- "हिन्दी उपन्यासों में चित्रित राजनीति से उत्पन्न समस्याएं"	183-231
(रीछ, कटरा-बी-आर्जु., महाभोज, मुखडा क्या देखे के संदर्भ में)	
पंचम अध्याय:- "हिन्दी उपन्यासों में चित्रित राजनीति चेतना"	232-258
(रीछ, कटरा-बी-आर्जु., महाभोज, मुखडा क्या देखे के संदर्भ में)	
षष्ठम अध्याय :- 'उपसंहार'	259-264
(रीछ, कटरा-बी-आर्जु., महाभोज, मुखडा क्या देखे के संदर्भ में)	
संदर्भ ग्रंथ सूची	265-270